Exam. Code : 103201
Subject Code : 1045

B.A./B.Sc. Semester—I

SANSKRIT ELECTIVE

(Kavya Evam Vyakaran)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

नोट :— प्रश्नपत्र के ABCD चार सैक्शन हैं। प्रत्येक सैक्शन में 20 अंक तथा प्रत्येक के दो प्रश्न हैं। इनमें से कोई **पांच** प्रश्न करें। प्रत्येक सैक्शन में से एक प्रश्न अनिवार्य है। पांचवां प्रश्न किसी भी सैक्शन से चुना जा सकता है।

SECTION—A

I. अधोलिखित में से किन्हीं **चार** श्लोकों की प्रसंग सहित व्याख्या करें :—

(क) गुरुवाणी सदा श्राव्या श्रुत्वा मनः सुखायते।
गुरुवाग्-रसमास्वाद्य सदयः को न जायते।।

(ख) जायन्ते च म्रियन्ते च सर्वे जगति नश्वरे।
सम्पाद्य शुभकर्मणि स्थिरी भवति को नहि।।

(ग) गुरुवाणीं जपन् नित्यं सेवापथमुपाश्रयत्।
यत्सदृशो नरश्रेष्ठो लभ्यो जन्मशतैर्नहि।

(घ) शैशवसमये माता तं सेवार्थमुपादिशत्।
पुत्रचरित्रनिर्माणे मातृशिक्षापि कारणम्।।

(ङ) श्री दे हरे गुरुद्वारे पूर्णोऽर्जनीयमर्जितम्।
क उपलभ्य सत्संगं लाभान्वितो न जायते।।

http://www.gnduonline.com

(च) आश्रमं स तु दीनेभ्यो निर्मित्सते स्म वस्तुतः।
सहमाना जनाघातान् म्रियेरन्ते न वीथिषु।।

(छ) खालसाकालजे तत्र विस्थापितानसेवत।
सेवासम्भावनान्वेषी सेवाशीलः पदे पदे।।

(ज) हरिमन्दिर-दुर्ग्याणा-हुतात्मस्थानमण्डितम्।
गुरुनगरमित्याख्यं श्लाघागृहमिति श्रुतम्।। 4×5=20

II. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :—

(क) भक्त पूर्ण सिंह जी का जीवन-परिचय दीजिए।

(ख) 'पूर्णसार्धशतकम्' के निर्धारित भाग (1-32 श्लोक) का सार लिखें।

(ग) भक्त पूर्ण सिंह जी के जीवन का क्या मनोरथ था ? क्या वह उसमें सफल हुए ? इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए। 2×10=20

SECTION—B

III. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

(क) अर्थाभावेऽपि कार्यस्य विशालस्य महीतले।
निर्माणसाहसे योग्याः सत्यं पूर्णसमाः नराः।

(ख) वदान्यजनसाह्येन सदगुरुकृपया तथा।
आरब्धं सज्जनैः कार्यं साफल्यमधिगच्छति।।

(ग) कार्यं लब्धपि केषाञ्चित् सफलतां न पश्यति।
गुर्वीपि महतां कार्यं सम्यग् गच्छति पूर्णताम्।।

http://www.gnduonline.com

(घ) धिक् खलु हस्तपादं तत् सेवां करोति नात्र यत्।
सन्देशं गुरुवर्याणां हृदि कृत्वा समाचरत्।।

(ङ) अनाथा दु:खसन्तप्ता: पूर्णेनालिंगिता: सदा।
भवन्ति प्रस्तुता: सन्तो वीक्ष्य कमपि दुर्गतम्।।

(च) कर्मणा मनसा वाचा रोगार्तानां चिकीर्हितम्।
पूर्णो विस्मृतवान् निद्रां सेवां कुर्वन्नहर्निशम्।।

(छ) विरल: करुणावृत्ति: कथयन्ति स्म केचन।
करुणाया: परं पूर्णो जीवदेव निदर्शनम्।।

(ज) न करोति स्वयंलोके कारयति प्रतीयते।
कष्टग्रस्तजनोद्धारं पूर्णेन परमेश्वर:।। 4×5=20

IV. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

(क) 'पूर्णसार्धशतकम्' के निर्धारित भाग (33-65 श्लोक) का सार लिखें।

(ख) भक्त पूर्ण सिंह के सेवा कार्यों का विवरण प्रस्तुत करें।

(ग) भक्त पूर्ण सिंह के सेवाभाव पर नोट लिखें। 2×10=20

SECTION—C

V. किन्हीं **दस** संख्यावाची अंकों को संस्कृत में लिखिए :

6, 12, 18, 23, 26, 31, 33, 39, 40, 44, 52, 57, 66, 68, 72, 78, 82, 84, 96, 99। 10×2=20

http://www.gnduonline.com

VI. (क) निम्नलिखित धातुओं में से किन्हीं **दो** के यथानिर्दिष्ट रूप लिखें :–

पठ्-लट्। दा-लृट्। दिव् लोट्। कृ-लृट्। 2×5=10

(ख) किन्हीं **पांच** की सन्धि/सन्धिच्छेद करें :–

नात्र, गुर्वीपि, हरीश:, नरोत्तम: तथैव, नदी+एव, अर्थ+अभावे, महा+ऋषि, कर्तृ+इच्छा, नै+इका। 5×2=10

SECTION—D

VII. निम्नलिखित में से किन्हीं **8** अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग करें:–

यत्र, तत्र, चिरम्, श्व:, यथा, तथा, अधुना, एवम्, अपि, पुन: 8×2½=20

VIII. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **5** वर्णों का उच्चारण स्थान बताएं :–

अ, ई, य, घ, ट, ण, स, फ, ऐ, व, म. 5×2=10

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो धातुओं के यथानिर्दिष्ट रूप लिखें :–

अस्–विधिलिङ्। पच्–लङ्। नृत्–लङ्। श्रु–विधिलिङ्। 2×5=10

http://www.gnduonline.com